नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 24 तक)

समयावधि : ..... **पूर्णांक : 50**

1. (क) डट कर उनका सामना करना। (ख) भेदभाव न हो।
   (ग) जो दूसरे के लिए जिए या मरे। (घ) अतर्क × सतर्क (ङ) अ + भीष्ट
2. **निर्देशानुसार कीजिए –**
   (क) (i) बीमारी (ii) दीनता
   (ख) (i) बुरा हाल करना (ii) मार गिराना (ग) (i) असभ्य (ii) नकली
   (घ) (i) (ङ) (i) कर्ता कारक (ii) संप्रदान कारक (च) (i) गुण (ii) शंका
   (छ) (i) पुल्लिग (ii) स्त्रीलिंग
   (ज) (i) प्रयोग के लिए शाला संप्रदान तत्पुरुष (ii) घटना का क्रम संबंध तत्पुरुष
   (झ) (i) तुम (उद्देश्य) हमारे (विधेय) (ii) मेरी दादी (उद्देश्य) विनोदी (विधेय)
   (ञ) (i) वह अंदर से क्यों सिहर उठा था? (ii) प्रभु ने मेरा साथ नहीं दिया।
3. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –**
   (क) फ़ोन पर महिला ने कारवास्की से अनुरोध किया कि मैं आपके लिए कुछ उपहार भेज रही हूँ। अस्वीकार न कीजिएगा।
   (ख) टुनी दुबली-पतली हड्डियों का ढाँचा मात्र दिखती है। ऐसी टुनी ठंडे पानी से बर्तन धोएगी और तुलतुल गरम पानी में हाथ-मुँह धोकर गरम कपड़े पहनकर गरमागरम पूड़ियाँ खाएगी? तुलतुल बड़ों को ऐसी भूल नहीं करने देगी। अंतर्राष्ट्रीय बालवर्ष में टुनी जैसे हज़ारों बच्चों की देखभाल होनी ही चाहिए।
   (ग) डांडेलप्पा मंदिर डांडेलप्पा नामक वफ़ादार सेवक को समर्पित है। डांडेलप्पा ने अपने स्वामी की वफ़ादारी में प्राणों की आहुति दे दी थी। डांडेलप्पा के व्यक्तित्व में वफ़ादारी एवं सेवा-भाव जैसे गुणों की झलक मिलती है।
   (घ) माथे को फूल जैसा चढ़ाने का अर्थ है कि सच्चा मनुष्य मरने से नहीं डरता। वह अपने प्राणों को न्योछावर करने के लिए हमेशा प्रस्तुत रहता है।
   (ङ) गायिका सम्राट से कह रही है कि मनुष्य एक दूसरे की सहायता करने के लिए पैदा हुआ है। वह दूसरों को मारने के लिए पैदा नहीं हुआ। वह उनकी सेवा करने के लिए ही इस धरती पर आया है।
4. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) सूचना देने वाले का नाम तथा कक्षा
   (ii) बालवर्ष मनाने का उद्देश्य व विस्तार
   (iii) एक निश्चित तिथि सीमा यदि छात्रों से कुछ नाम इत्यादि लेने हो। (iv) धन्यवाद।
5. विद्यार्थी स्वयं करेंगे।
   उत्तर के लिए संकेत-बिंदु – (i) मित्रता का महत्व
   (ii) सच्चा मित्र कौन? आस्तीन के साँप कौन?
   (iii) मित्र का नाम उसके गुण (iv) मित्र द्वारा सहयोग व अपनापन
   (v) दोस्ती में धर्म, जाति, अमीरी, गरीबी या ऊँच-नीच का महत्व नहीं।